

चिरैया

बन्दी - बन्दी प्यारी चिरैया।
आओ - आओ प्यारी चिरैया ॥

सुख ले कर ली लड़ाई।
धरती पर बड़ी गर मचाई ॥

किरणों आज के का हें बैया ॥

जि अब किस तरह आओजी
जलती धरती जलाहगी

मैं नही हूँ वर देया ॥

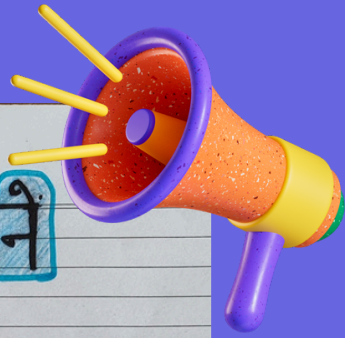
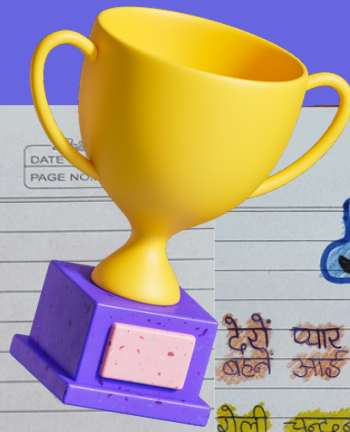
कैसे मरना कहां मरानी
आ जाओ न बारी बारी

मारेगी नही तुमका बैया ॥

शानु न बिखरार दान
आओ न दान खान

नाचु नाचता धम्मक बैया ॥

कानी - कानी मौज मनेया।
आओ - आओ नन्ही चिरैया ॥



आई बहने

दौरी प्यार लिए नैनो में,
बोले आई है।

बोली मुस्कन - धाल संजाकर,
मैं में लाल है।

मुस्कन मुस्कन बिलक लजाकर,
हैं मीठा बिस्मर है।

गाकर गीत, प्यार - अपनापन,
देखो प्रीत लुटल है।

परियानों में लज्जा नैनो,
परिये आई हैं ॥

अहया नें जब दिया इन्हें,
मैं करे उपहार

बोली बहने - हर संकाट में,
थामो तुम पतवार ॥

दुख ना आए पास, दुआएं,
दौरे आई हैं ॥

किमिका - चौधरी
7th A

गाम्गी चौधरी
7th A

कविता: छोटी सी जिंदगी है

छोटी सी जिंदगी है,
हर बात में खुरा रहे
जो चेहरा पास ना हो,
उसकी आवाज में खुरा रहे,
कोई रुख हो तुमसे,
उसके इस अंदाज में भी खुरा रहे,
जो लौट के नहीं आने वाले,
उन लम्हों की याद में खुरा रहे,
कल किसने देखा है,
अपने आज में खुरा रहे,
खुशियों का इंतजार किसलिए,
दूसरों की मुस्कान में खुरा रहे,
क्यों तड़पते हो हर पल किसी के साथ को,
कभी तो अपने आप में खुरा रहे,
छोटी सी तो जिंदगी है,
हर हाल में खुरा रहे।

नाम : भाविका सेनी
कक्षा : नौवीं - अ
सदन : अशोक

प्रकृति (कविता)

हरी - सरी यह प्रकृति है,
हरे - सरे यह खेत
रंग - बिरंगी फूल
चहचहाती चिड़ियों का गीत
उड़ती हुई यह प्यारी तितलियाँ,
एक फूल से दूसरे फूल
सर दौरी फूलों में अनेक रंग
यह शहरों में हैं प्रदूषण
और शहरों में यह सूखी हुई नदियाँ,
फैक्टरियों का यह गंदा कचरा
पर्यावरण को कसा है गंदा
लेकिन हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा,
हमें प्रकृति की सुंदरता को बचाना होगा,
और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक
सुन्दर भविष्य बनाना होगा।
चलो हम मिलकर प्रकृति की रक्षा करें।
और इसकी सुंदरता को बनाए रखें
चलो हम पैड़ लगाएँ, पानी बचाएँ
और प्रकृति की सुंदरता को
हमेशा के लिए बनाए रखें।

नाम : प्रिया - मीणा
कक्षा : IX - 'अ'
सदन : अश्वीका